

## मुख्यमंत्री ने रवाना किये चलति दीनदयाल रसोई केंद्र

### चर्चा में क्यों?

7 अक्टूबर, 2023 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिविराज सहि चौहान ने स्मार्ट पार्क से चलति दीनदयाल रसोई केंद्र को झंडी दिखाकर रवाना किया।

### प्रमुख बदि

- ये चलति केंद्र भोपाल और अन्य शहरों के उन स्थानों पर जाकर श्रमिकों और अन्य ज़रूरतमंद लोगों को पाँच रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध करवाएंगे, जहाँ ये लोग कार्य करते हैं। प्रदेश के अन्य नगरों में भी चलति केंद्र संचालित किये जाएंगे।
- इस योजना को प्रारंभ करने के दो प्रमुख उद्देश्य हैं। एक यह करिय्याती दर पर गरीब व्यक्तिको भोजन मलि सके, दूसरा प्रवासी श्रमिक और अन्य ज़रूरतमंद नागरिकों को कार्य स्थल के नज़दीक भरपेट भोजन की सुवधि मलि सके।
- पूर्व में संचालित केंद्र एक स्थान पर ही होते थे। इस व्यवस्था से ऐसे मज़दूर, जो गाँव से शहर आकर जीविका चलाते हैं, उन्हें अधिक राश और समय खर्च किये बिना उनके काम करने की जगह पर ताजा भोजन उपलब्ध हो जाएगा।
- इन केंद्रों में 5 रुपए थाली की दर से सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक भोजन का वतिरण किया जाता है। राज्य सरकार ने इस योजना में प्रतिव्यक्ति 10 रुपए के मान से अनुदान देने की व्यवस्था की है।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में 7 फरवरी, 2017 में यह योजना ज़िला मुख्यालयों और 6 प्रमुख धार्मिक स्थानों को मलिाकर 56 स्थानों पर संचालन के साथ प्रारंभ की गई थी। वर्तमान में 166 स्थानों पर योजना का संचालन किया जा रहा है।
- इस योजना में प्रदेश में सवा दो सौ लाख भोजन थालियों का वतिरण किया जा चुका है।
- प्रदेश में 25 चलति रसोई केंद्र प्रारंभ हुए हैं। एक चलति केंद्र की लागत 25 लाख रुपए है। इसमें खाना तैयार करने और गरम खाना रखने के आधुनिक उपकरण भी रहेंगे।
- प्रदेश में 10 लाख से अधिक आबादी वाले जनि नगरों में चलति केंद्र शुरू हुए हैं, उनमें भोपाल में 3, इंदौर में 4, जबलपुर, ग्वालियर में दो-दो चलति रसोई केंद्र शामिल हैं। शेष 12 नगर नगिमों और 2 औद्योगिक नगरों पीथमपुर एवं मंडीदीप में एक-एक चलति रसोई केंद्र का संचालन शुरू किया गया है।
- शीघ्र ही 20 हज़ार से अधिक आबादी वाले 68 नगरीय नकियायों में भी इस तरह के रसोई केंद्र शुरू करने की योजना है।



